

एक दिवसीय शोध संगोष्ठी

रानी दुर्गावती की जीवनी के विवादित बिन्दु

दिनांक : 20.06.2017

आयोजक

त्रिवेणी परिषद् एवं इतिहास विभाग

शासकीय मानकूवरबाई कला एवं वाणिज्य
स्वशासी महिला महाविद्यालय,
जबलपुर (म.प्र.)

संक्षिप्त विवरण

महाविद्यालय में दिनांक 20/06/20217 को रानी दुर्गावती के बलिदान सप्ताह के अन्तर्गत एक दिवसीय शोध-संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन डॉ. इला घोष, सेवानिवृत्त प्राचार्य एवं त्रिवेणी परिषद् के सदस्य एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. उषा दुबे द्वारा किया गया।

इस संगोष्ठी में गोंड इतिहास की ज्ञाता डॉ. श्रीमती अरुणा पाठक, प्राध्यापक इतिहास, श्री गिरिजा शंकर अग्रवाल, मण्डला, सुप्रसिद्ध साहित्यकार श्री राजकुमार सुमित्र, श्रीमती सुमनलता श्रीवास्तव, आचार्य श्री भगवत दुबे, श्री संजीव वर्मा, श्रीमती आशा रिछारिया आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

अंत में इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीमती वन्दना गुप्ता ने आभार व्यक्त किया।





त्रिवेणी परिषद् और मानकुंवरबाई कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी, वक्ताओं ने रखे विचार

इतिहास संबंधित जानकारी के लिए नेट निर्भर न रहें

विद्यती रिपोर्टर, जबलपुर- रानी दुर्गावती का बंदूक चलाना, रानी का आव बलिदान, समन हाथी का रंग आदि पर नेट च विभिन्न लेखों में टी गई भिन्न भिन्न जानकारीयों और प्रमाणिकता पर चर्चा हुई। मंगलवार को त्रिवेणी परिषद् और मानकुंवरबाई कॉलेज के इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका विषय था 'रानी दुर्गावती की जीवनी के विद्यार्थित विन्डु'।

प्रथम सत्र में डॉ शला घोष की अध्यक्षता में डॉ अरुणा पाठक ने विन्डु रूप से प्रत्येक विन्डु का विश्लेषण करती हुए प्रमाणिक तथ्य प्रस्तुत किए। यशदा डॉ राजकुमार सुमित्र ने जन आस्था पर आचार्य भण्यत दुबे ने लिखित काव्य पर, संजीव सस्तिन ने विरवास घात से युद्ध पाजय पर स्टैंक प्रमाण दिए। श्री एसएल पाठकर और रेखा फतेल ने भी विचार प्रस्तुत किए। सम्पन्न सत्र के अध्यक्ष महोदय से आभारित गिरिजाशंकर भाववाल ने रानी दुर्गा के जीवन के अनेक प्रसंग सुनते हुए जन पर गहन शोध कार्य की अपेक्षा की। प्राचार्य डॉ जगदा दुबे ने नई पीढ़ी से कहा कि ये



जानकारी के लिए सिर्फ नेट पर निर्भर न रहें बल्कि निरक्षर रूप से प्रेमी का अध्ययन करें। सोल्की का संकलन डॉ. वंदना गुप्ता य आभार संयोजक सधना उपाध्याय ने किया। संयोजन में डॉ

शोभना पांडे, डॉ अर्चना देवसिंग, आशा रिताशंकर, एन्दुवक्ता वैश्य का सहयोग रहा। कार्यक्रम में डॉ. जयशंकर मिश्र, बसन्ता सागर आदि की मौजूदगी रही। (अस-6)

सिरोमू संदिग्धा ज्ञानेनी सिग्मा टट्टिंगा

योग दिवस: होंगे विविध आयोजन

रोटेरियन्स ने महाधिवक्ता